अनुमान और कल्पना

1. यदि महिपाल सिंह अपना दायाँ हाथ खोने के बाद निराश हो जाते तो क्या होता?
2. यदि लिखावट सुंदर न हो तो उसके क्या-क्या परिणाम हो सकते है?
3. 'चिट्ठी के अक्षर' कहानी के लिए कोई और शीर्षक बताइए।

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए वाक्यों को सही उतार-चढ़ाव के साथ पढ़िए–

(क) वाह! बड़ी सुंदर लिखावट है।

(ख) आप कौन है?

(ग) क्या देख रहे हैं?

(घ) अरे भाई, यह जीवन है।

(ङ) अरे शर्मा जी, आप! क्षमा कीजिएगा।

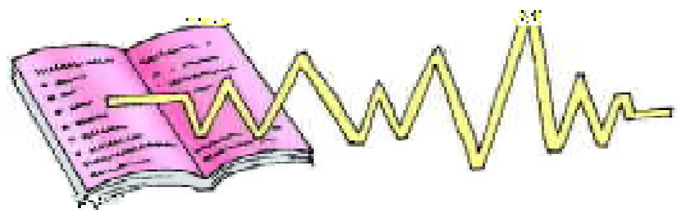

2. नीचे दिए गए शब्द-समूहों में से विशेषण व विशेष्य अलग-अलग करके लिखिए–

	विशेषण	विशेष्य
(क) एक चिट्ठी	एक	चिट्ठी
(ख) सुंदर लिखावट	....	....
(ग) साप्ताहिक अख़बार	....	....
(घ) नियत तिथि	....	....

3. शिक्षक या सहपाठियों की मदद से दोहा पूरा कीजिए–

....

रसरी आवत जात तै, सिल पर परत निसान।।

जीवन मूल्य

- महिपाल सिंह ने अपने जीवन में आई मुश्किल परिस्थिति का सामना दृढ़ निश्चय से किया और अपने अथक प्रयास से अपनी लिखावट को सुंदर बनाया तथा साप्ताहिक अख़बार निकाला।

  1. आपको महिपाल सिंह के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है?
  2. आप अपने जीवन में आई मुश्किल परिस्थिति का सामना कैसे करेंगे?

कुछ करने के लिए

1. **दैनिक हिंदी समाचार-पत्रों के नाम लिखिए–**

....

....

....

....

....

2. **किन्हीं तीन हिंदी समाचार-चैनलों के नाम लिखिए–**

....

....

....

3. पुरानी हिंदी अख़बारों में से अपनी पसंद के विषय, जैसे–विज्ञापन, खेल-समाचार, मनोरंजन, कविता, सिनेमा आदि के बारे में जानकारी इकट्ठा करके उन्हें स्क्रैप बुक में चिपकाइए। कक्षा में अपने दोस्तों को इस जानकारी के बारे में बताइए।

3

बरसते जल के रूप अनेक

आकाश बादलों से ढका था, ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। ऐसे सुहावने मौसम में राघव, परमीत, ज़फ़र और अमन मैदान में खेल रहे थे। अमन के दादाजी दूर से बच्चों को खेलते हुए देख रहे थे। वे बहुत प्रसन्न थे कि सभी बच्चे आपस में मिल-जुलकर खेल रहे हैं। गेंद से खेलने का सिलसिला अभी शुरू ही हुआ था कि अचानक बिजली चमकने लगी। कुछ ही देर में बादल भी गरजने लगे। दादाजी ने हाथ हिलाते हुए बच्चों को वापस आने का संकेत दिया। अमन की नज़र दादाजी पर पड़ी। उसने अपने साथियों को बताया, ''देखो! दादाजी बुला रहे हैं।'' इतने में राघव के गाल पर कुछ 'टप' से गिरा। ''अरे! यह गोली-सा क्या है?''

बारिश शुरू हो गई थी। दादाजी ज़ोर से बोले, ''बच्चो! चलो। ओले पड़ रहे हैं।'' अमन, राघव, परमीत और ज़फ़र सिर पर हाथ रखे अमन के घर की ओर दौड़ पड़े।

दादाजी ने चश्मा उतारा और वे बाहर बरामदे में ही अपनी आराम कुर्सी पर बैठ गए। दादाजी बोले, ''बच्चो! आज बहुत दिन बाद ओले पड़े हैं। अच्छा हुआ, तुम सब चले आए, नहीं तो सिर पर टपाटप होती।'' बच्चे दादाजी की बात सुनकर खिलखिलाकर हँस दिए। देखते-ही-देखते बरामदे के आगे का खुला स्थान ओलों से भर गया। राघव ने दादाजी से पूछा, ''दादाजी, ये ओले क्या होते हैं?''

दादाजी मुसकुराए और बोले, ''बच्चो! वायुमंडल में **विद्यमान** जल की बूँदें झटके से उछलकर ऊपर चली जाती हैं। ऊपर की हवा बहुत ठंडी होती है। ये बूँदें वहीं जमकर ओले का रूप धारण कर लेती हैं। इसी प्रकार हवा के झोंके इन्हें और ऊपर उछाल देते हैं। इन ओलों के ऊपर बर्फ़ की और परतें जम जाती हैं। कुछ भारी होने पर ये

शब्दार्थ: विद्यमान–उपस्थित

ओले नीचे की ओर गिरने लगते हैं।'' ''वाह! दादाजी, मुझे तो यह मालूम ही नहीं था।'' सभी बच्चे बहुत खुश हुए। दादाजी ने बच्चों से पूछा, ''क्या तुमने 'पाला' पड़ता देखा है?'' ''पाला!'' सभी बच्चे एक साथ बोले। दादाजी ने कहा, ''सरदियों में तुमने देखा होगा कि खेतों में सुबह-सुबह बर्फ़ की एक चादर-सी दिखाई देती है। यही 'पाला' है। जब ठंड अधिक पड़ने लगती है तब हवा में मौजूद भाप जम जाती है और बर्फ़ की चादर के रूप में दिखाई पड़ती है।'' ''वाह! दादाजी, यह भी जल का ही एक रूप है।'' दादाजी ने समझाया कि जल जीवन तो है ही इसके रूप भी अनेक हैं। इतने में अमन दादाजी के लिए चाय ले आया और दोस्तों के लिए गरमा-गरम पकौड़े।

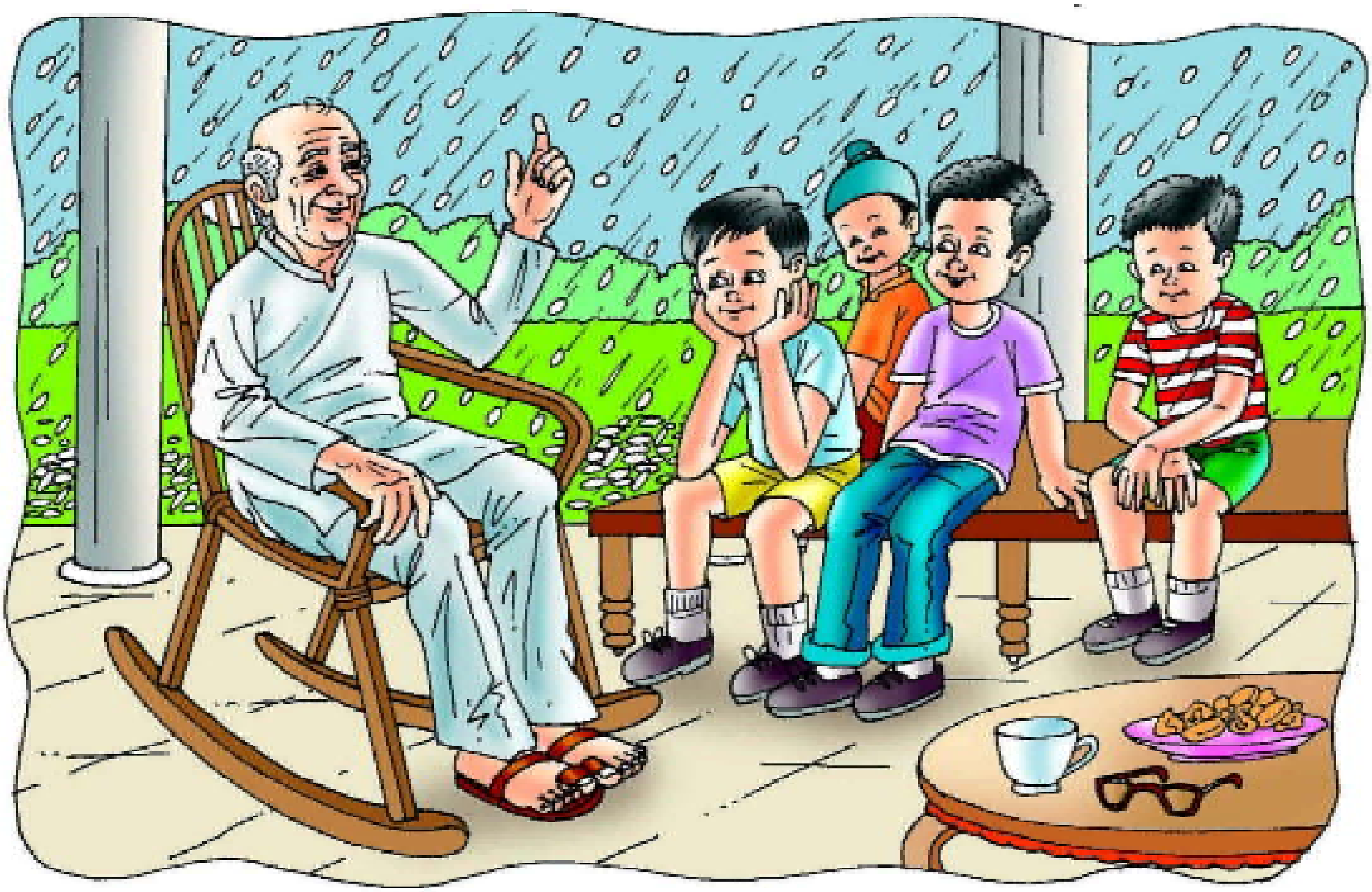

चारों बच्चे खुश थे क्योंकि दादाजी के पास उनके बहुत-से सवालों के जवाब थे। परमीत ने कहा, ''दादाजी, पहाड़ों पर जो बर्फ़ गिरती है उसके बारे में भी कुछ बताइए।'' दादाजी यह सुनकर मुसकुराए। दादाजी ने कहा, ''परमीत! पहाड़ ऊँचाई पर होते हैं न, सो वहाँ ठंड भी अधिक पड़ती है। शीत ऋतु में और अधिक ठंड के कारण वहाँ के वायुमंडल में भाप बर्फ़ के रूप में बदल जाती है। यही बर्फ़ जब पहाड़ों पर बरसती है तो इसे 'हिमपात' कहते हैं।'' अब ओले पड़ना बंद हो गया था। हल्की फुहारें-सी पड़ रही थीं। बच्चे ऐसे सुहावने मौसम में मज़े से पकौड़े खा रहे थे और बूंदों की ताल के संग उनका मन-मयूर नाच रहा था।

–शिवशंकर

अभ्यास

पाठ में से

1. दादाजी ने हाथ हिलाते हुए बच्चों को वापस आने का संकेत क्यों दिया?
2. दादाजी ने बारिश का आनंद कैसे लिया?
3. 'पाला' क्या होता है?
4. हिमपात कहाँ और कब होता है?
5. **नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। पाठ के आधार पर लिखिए कि ये कथन किसने कहे और किससे कहे–**

कथन	किसने कहा	किससे कहा
(क) देखो! दादाजी बुला रहे हैं।	....	....
(ख) आज बहुत दिन बाद ओले पड़े हैं।	....	....
(ग) ये ओले क्या होते हैं?	....	....

6. **पाठ के आधार पर नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) बच्चो! चलो। .... पड़ रहे हैं।

(ख) इतने में राघव के गाल पर कुछ .... से गिरा।

(ग) कुछ ही देर में बादल भी .... लगे।

(घ) हल्की ....-सी पड़ रही थीं।

बातचीत के लिए

1. आपको कौन-सा खेल पसंद है? इस खेल को आप किसके/किनके साथ खेलना पसंद करेंगे?
2. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन-सा लगता है और क्यों?
3. बरसात होने पर आप क्या-क्या करते हैं?
4. ओलों के बनने और गिरने के बारे में दादाजी ने क्या बताया?

अनुमान और कल्पना

1. अगर आप पहाड़ों पर घूमने गए हैं और अचानक हिमपात हो जाता है तो क्या होगा?
2. वर्षा न होने पर क्या होगा?

भाषा की बात

1. **पाठ में आए 'ज़ोर' तथा 'बर्फ़' शब्दों में नुक्ते वाले अक्षर 'ज़' और 'फ़' का प्रयोग हुआ है। अब आप अपनी ओर से इनका प्रयोग करके चार-चार शब्द लिखिए–**

   ज़ – ....

   फ़ – ....

2. **दादाजी ने चश्मा उतारा और वे बाहर बरामदे में आराम कुर्सी पर बैठ गए। इस वाक्य में 'वे' सर्वनाम 'दादाजी' संज्ञा के लिए आया है। अब आप पाठ में से कोई चार सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–**

   (क) .... (ग) ....

   (ख) .... (घ) ....

3. **कुछ दिनों से बादल छाए हुए हैं। मगर बारिश नहीं हो रही है। इस विषय पर चित्रा और मानसी के बीच होने वाली बातचीत की कल्पना कीजिए और उन्हें संवाद के रूप में लिखिए–**

   चित्रा – मानसी! लगता है, आज बारिश ज़रूर होगी।

   मानसी – मुझे तो ऐसा नहीं लगता।

   चित्रा – क्यों?

   मानसी – ....

   चित्रा – ....

   मानसी – ....

   चित्रा – ....

   मानसी – ....

जीवन मूल्य

- दादाजी ने समझाया कि जल ही जीवन है और उसके कुछ रूपों के बारे में जानकारी भी दी।

  1. क्या आपको लगता है कि जल ही जीवन है? क्यों?
  2. हमें जल का संरक्षण कैसे करना चाहिए?

कुछ करने के लिए

1. तीन दिनों का दिल्ली का सबसे अधिक और सबसे कम तापमान का ब्यौरा लिखिए–

दिनांक	सबसे अधिक तापमान	सबसे कम तापमान

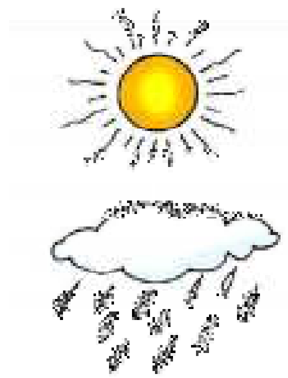

2. छह ऋतुओं की सूची तैयार कीजिए–

....

....

3. किसी एक ऋतु पर छह-आठ पंक्तियों की स्वरचित कविता भी लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

4. जल संरक्षण पर एक स्लोगन बनाकर कक्षा में लगाइए।